बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि 5 जुलाई, 1978

विषय सूची

	पृष्ठ
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 70, 71, 73, 74, 75, 529, 531, 543, 547, 548, 554, 569, 574, 575, 578, 582, 586, 589, 609, 615, 628, 632, 637, 638, 648.	1—48
अतारांकित प्रश्नोत्तर संख्या	49
परिशिष्ट—(प्रश्नों के लिखित उत्तर)	50—58
दैनिक निबन्ध	59-60

टिप्पणी—जिन मन्त्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है, उनके नाम के आगे (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

श्री जगबन्धु अधिकारी—(1) उत्तर नकारात्मक है।

(2) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(3) खंड 1 के उत्तर के सन्दर्भ में यह प्रश्न नहीं उठता है।

सड़क की मरम्मत।

615. श्री रघुपति गोप—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला के दुलहीनगंज-मलौर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है जिसकी मरम्मती हेतु जिला-विकास समिति के बार-बार आग्रह करने के बाद भी अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया, यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सड़क को शीघ्र मरम्मत करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

श्री जगबन्धु अधिकारी—उत्तर स्वीकारात्मक है।

दुलहीनगंज-मलौर सड़क 12 मील लम्बी कच्ची सड़क है। उक्त सड़क को मिट्टी द्वारा मरम्मती कराने में लगभग 60,000 रुपये तथा एक पुलिया के निर्माण पर 2 लाख रुपये लगेंगे। इसके अलावे पक्कीकरण में 15 लाख लगेंगे, जो अर्थाभाव के कारण वहन करना सम्भव नहीं है।

श्री सहाय को पदभार से मुक्ति।

628. श्री गोपाल शरण सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि श्री कृष्णानन्द सहाय, प्रशासी पदाधिकारी, पंचायती राज निदेशालय जून, 1977 से मंत्री, उद्योग के आप्त सचिव के पद पर भी कार्य कर रहे हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि पंचायती राज निदेशालय का कार्य सुचारु रूप से चलाने के उद्देश्य से श्री कृष्णानन्द सहाय को प्रशासी पदाधिकारी के कार्यभार से मुक्त करने तथा प्रोन्नति द्वारा पूर्णकालीन प्रशासी पदाधिकारी की सेवायें उपलब्ध कराने का प्रस्ताव मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग के पास विचाराधीन है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार किस निश्चित तिथि तक श्री सहाय को प्रशासी पदाधिकारी के पदभार से मुक्त करने जा रही है, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री जगबन्धु अधिकारी—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) श्री कृष्णानन्द सहाय को प्रशासी पदाधिकारी के कार्यभार से मुक्त कर पूर्णकालीन प्रशासी पदाधिकारी की व्यवस्था कर दी गयी है।

(3) खण्ड 2 के उत्तर को देखते हुये इसका प्रश्न नहीं उठता है।

सड़क एवं पुल की मरम्मत।

632. श्री जयनारायण मिश्र—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत शाहपुर से बनाही स्टेशन जाने वाली जिला बोर्ड की सड़क गत् दस वर्षों से क्षतिग्रस्त है और सड़क के बीच पड़ने वाले छलका पुल की पटरियां टूट गयी हैं, जिससे यात्रियों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हां, तो सरकार उक्त सड़क और सड़क पुल को शीघ्र मरम्मत कब तक कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री जगबन्धु अधिकारी—उत्तर स्वीकारात्मक है।

शाहपुर-बनाही पथ 2 मील 6 फरलांग 7' पक्की है। इस पथ के दूसरे मील में पुल का तख्ता टूट गया है जिससे आवागमन ठप्प है। इसकी मरम्मती के लिये ठीकेदारों को कार्यादेश दिया गया है। कार्य शीघ्र ही शुरू किया जायेगा। छडरी, गिट्टी, अलकतरा सड़क की पैच मरम्मती के लिये प्राक्कलन 4 का जिला विकास समिति द्वारा स्वीकृत किया गया है। जिस पर टेन्डर जा रही है। परन्तु जिला बोर्ड की आर्थिक स्थिति खराब रहने के कारण जिला बोर्ड ने मात्र 46,900 रु० का सरकार से विशेष व्यवस्था की है। इस सम्बन्ध में जिला बोर्ड को अनुदान दिया जा रहा है कि यदि निधि का अभाव है तो विगत वर्ष के स्वीकृत अनुदान को बचत राशि एवं 1978-79 में मिलने वाली अनुदान से इस कार्य को पूरा कराने की व्यवस्था है।

पेंशन एवं ग्रेच्युटी का भुगतान।

637. श्री रामाश्रय सिंह (डुमरांव)—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि श्री राम केवल पाण्डेय, लेक्चरर प्रा० शिक्षक, शिक्षा महाविद्यालय, पिरोंटा, भोजपुर से 31 दिसम्बर, 1976 को अवकाश प्राप्त किये हैं;